S-356

Total Pages : 2 Roll No. .....

DVS-101

वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. वास्तुशास्त्र के आचार्य परम्परा का वर्णन कीजिए।

2. प्राकृतिक शक्तियों का परिचय दीजिए।

3. वर्तमान में वास्तुशास्त्र के स्वरूप पर निबन्ध लिखिए।

4. भारतीय शास्त्रपरम्परा के प्रयोजन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. पञ्चमहाभूतों के स्वरूप एवं महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. आकाश तत्व के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. जल निर्धारण विधि को स्पष्ट कीजिए।

3. वास्तु दोष एवं परिहार का वर्णन कीजिए।

4. अप्रशस्त भूमि क्या है? स्पष्ट कीजिए।

5. कौन-कौन सी प्राकृतिक शक्तियाँ वास्तु को प्रभावित करती हैं?

6. शतपद वास्तु के स्वरूप को लिखिए।

7. राशि के अनुसार ग्रामवास विचार को स्पष्ट कीजिए।

8. वर्णानुसार भूमि के चयन को स्पष्ट कीजिए।